श्रीनगर को 'विश्व शिल्प शहर' का दर्जा मिला

सरोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में श्रीनगर विश्व शिल्प परिषद (World Craft Council- WCC) द्वारा **'विश्व शिल्प शहर (World Craft City- WCC)'** के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाला **चौथा भारतीय शहर** बन गया है।

- **जयपुर, मलप्पुरम और मैसूर** अन्य तीन भारतीय शहर हैं जिन्हें पहले **विश्व शिल्प शहरों** के रूप में मान्यता दी जा चुकी है।
- वर्ष 2021 में श्रीनगर शहर को शिल्प और लोक कलाओं के लिये **यूनेस्को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क (UNESCO Creative City Network- UCCN)** के हिस्से के रूप में एक **रचनात्मक शहर** नामित किया गया था।
- **कागज की लुगदी, अखरोट की लकड़ी पर नक्काशी, कालीन, सोज़नी कढ़ाई और पश्मीना और कानी शॉल श्रीनगर** के कुछ शिल्प हैं।

WCC-विश्व शिल्प शहर कार्यक्रम:

- इसे वर्ष 2014 में **विश्व शिल्प परिषद AISBL (WCC-इंटरनेशनल)** द्वारा दुनिया भर में शिल्प विकास में **स्थानीय अधिकारियों, शिल्पकारों और समुदायों की महत्त्वपूर्ण भूमिका** को मान्यता देने के लिये शुरू किया गया था।
- **WCC-इंटरनेशनल** की स्थापना वर्ष 1964 में हुई थी और **श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय**, संस्थापक सदस्यों में से एक होने के नाते, **प्रथम WCC आम सभा में शामिल हुई** थीं।
    - **श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय** ने **भारत की शिल्प विरासत** को संरक्षित करने और बढ़ाने के लिये वर्ष 1964 में **भारतीय शिल्प परिषद** की स्थापना की।

और पढ़ें: श्रीनगर: यूनेस्को रचनात्मक शहरों का नेटवर्क

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/srinagar-recognised-as-world-craft-city